बहनिी योजना

प्रलिमि्स के लयि:

बहनिी योजना, मासकि धर्म स्वच्छता योजना, राष्ट्रीय कशिोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

मेन्स के लयि:

भारत में मासकि धर्म स्वास्थ्य की स्थति, महलिाओं से संबंधति मुद्दे

चर्चा में क्यों?

सक्किमि सरकार मुफ्त सैनटिरी पैड प्रदान करने हेतु वेंडगि मशीन स्थापति करने के लयि एक योजना (बहनिी) की घोषणा करने को तैयार है।

- यह पहली बार है जब कसिी राज्य सरकार ने कक्षा 9-12 में पढ़ने वाली सभी लड़कयिों को इस प्रकार के कार्यक्रम के तहत कवर करने का नरि्णय लयिा है।

योजना का उद्देश्य क्या है?

- इसका उद्देश्य "माध्यमकि और वरषि्ठ माध्यमकि वद्यिालय जाने वाली लड़कयिों को मुफ्त व सुरक्षति सैनटिरी पैड तक 100% पहुँच" प्रदान करना है।
- इसका उद्देश्य स्कूलों से लड़कयिों की ड्रॉपआउट को रोकना और मासकि धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है।
- यह योजना सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा 2018 में शुरू कयि गए एक प्रयोग पर आधारति है, जहाँ कुछ स्कूलों में वेंडगि मशीनें लगाई गई थीं।
    - सुलभ इंटरनेशनल भारत आधारति एक सामाजकि सेवा संगठन है जो शक्षिा के माध्यम से मानव अधकिारों, पर्यावरण स्वच्छता, ऊर्जा के गैर-पारंपरकि स्रोतों, अपशषि्ट प्रबंधन और सामाजकि सुधारों को बढ़ावा देने के लयि काम करता है।

भारत में मासकि धर्म की स्थति क्या है?

- **डेटा:**
    - राष्ट्रीय परविार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-4) 2015-16 के अनुसार, भारत में 355 मलियिन से अधकि मासकि धर्म वाली महलिाएँ हैं।
        - हालाँकि केवल 36% महलिाओं द्वारा स्थानीय या व्यावसायकि रूप से उत्पादति सैनटिरी नैपकनि का उपयोग करने की सूचना मलिी थी।
    - मासकि धर्म के दौरान इन उत्पादों का उपयोग करने वाली महलिाओं के प्रतशित में देश भर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, वशिेष रूप से दमन और दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली, पश्चमि बंगाल व बहिार में, जैसा कि हाल ही में जारी एनएफएचएस-5 के पहले चरण में अनुमान लगाया गया था।
        - इसके बावजूद भारत में मासकि धर्म स्वास्थ्य एक कम प्राथमकिता वाला मुद्दा बना हुआ है, जो वर्जनाओं, शर्म, गलत सूचनाओं वस्वच्छता सुवधिाओं तथा मासकि धर्म उत्पादों तक खराब पहुँच का कारण प्रभावति है।
- **मुद्दे:**
    - **सामाजकि प्रतबिंध:**
        - मासकि धर्म के दौरान सामाजकि प्रतबिंध महलिाओं के स्वास्थ्य, समानता और नजिता के अधकिार का उल्लंघन करते हैं।
            - कई उपाख्यानों से पता चलता है कि महलिाओं और लड़कयिों को अलग-थलग रखा जाता है, उन्हें धार्मकि स्थानों या रसोई में प्रवेश करने, बाहर खेलने या यहाँ तक कि मासकि धर्म के दौरान स्कूलों में जाने की अनुमति नहीं होती है।
    - **स्कूल ड्राप-आउट:**
        - महलिा एवं बाल वकिास मंत्रालय (MoWCD) द्वारा एकीकृत बाल वकिास सेवा (ICDS) योजना के तहत वर्ष 2018-19 में कयि गए एक सर्वेक्षण में बताया गया है कि कक्षा VI-VIII में नामांकति कुल लड़कयिों में से एक-चौथाई से अधकि जल्दी स्कूल

छोड़ देती हैं।
    - **शिक्षा तक असंगत पहुँच:**
        - मासिक धर्म स्वास्थ्य पर शिक्षा तक असंगत पहुँच के कारण युवा लड़कियों के लिये मासिक धर्म का अनुभव और भी कठिन है।
    - **कार्यबल में कम भागीदारी:**
        - कई नियोक्ता मासिक धर्म वाली महिलाओं को एक समस्या के रूप में देखते हैं, क्योंकि वे मासिक धर्म को काम में अक्षमता और कार्यबल में कम भागीदारी के साथ जोड़ते हैं।
            - उत्पादकता के नुकसान के डर से मासिक धर्म वाली महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता दिखाने वाले कॉर्पोरेट कार्यस्थलों के वास्तविक उदाहरण हैं।
- **संबंधित पहलें:**
    - **केंद्र सरकार:**
        - वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशा-निर्देश पेश किये थे।
        - मासिक धर्म स्वच्छता योजना (2011) और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (2014 में), 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों में मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये शुरू किये गए हैं।
        - सरकार ने 6,000 जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 1 रुपए में 5 करोड़ से अधिक ब्रांड के सैनिटरी पैड वितरित किये हैं।
    - **राज्य सरकार:**
        - केंद्र सरकार की योजनाओं के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और केरल राज्य सरकारों ने स्कूलों में सैनिटरी पैड वितरित करने के कार्यक्रम भी शुरू किये हैं।
        - बिहार सरकार किशोरी स्वास्थ्य योजना के तहत किशोरियों को सैनिटरी पैड खरीदने के लिये 300 रुपए प्रदान करती है।

मासिक धर्म स्वच्छता योजना

- मासिक धर्म स्वच्छता योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं:
    - किशोरियों में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
    - ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों के लिये उच्च गुणवत्ता वाले सैनिटरी नैपकिन तक पहुँच और उपयोग में वृद्धि करना।
    - पर्यावरण के अनुकूल तरीके से सैनिटरी नैपकिन का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करना।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम:

- RKSK का प्रमुख उद्देश्य है:
    - यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार।
    - मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि।
    - चोटों और हिंसा की रोकथाम।
    - पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना।

आगे की राह

- समय की आवश्यकता एक ऐसी रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना है जो सरकार में प्रमुख विभागों- स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला व बाल विकास एवं ग्रामीण विकास को एक साथ लाती हो तथा मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के प्रति जिवाबदेही में सुधार करती हो।
- आगे की राह एक समुदाय-आधारित दृष्टिकोण में निहित है जिसमें स्थानीय प्रभावकों और निर्णय निर्माताओं को इस मुद्दे के लिये संवेदनशील माना जाता है तथा पुरुषों व महिलाओं दोनों पर लक्षित व्यवहार परिवर्तन अभियान मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने के उद्देश्य से तैनात किये जाते हैं।
- इस तरह के अभियान चलाने और ग्रामीण व अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों के लिये किफायती मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक पहुँच बढ़ाने हेतु सार्वजनिक-निजी सहयोग सुनिश्चित करने का भी एक बड़ा अवसर है।
    - यह कार्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूलों और कॉलेजों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के आँगनवाड़ी केंद्रों या चाइल्डकेयर केंद्रों पर सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों की स्थापना के माध्यम से किया जा सकता है।
- यह स्वीकार करना आवश्यक है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि मानवाधिकार का मामला है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bahini-scheme